Regarding refund of money to investors in Sahara group

श्री महाबली सिंह **(**काराकाट**):** सभापति महोदय, सहारा समूह में देश के करोड़ों लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई के पैसे की बचत करके इनवेस्ट किया था, जमा किया था। उनकी मैच्योरिटी पूरी होने के बाद भी, आज करीब 12 साल से, सहारा समूह के देश भर के निवेशक धरना, आंदोलन, अनशन, प्रदर्शन कर रहे हैं। काफी लोगों ने पैसे जमा किए हुए हैं। उन लोगों ने इलाज के लिए और अपनी बेटी की शादी के लिए जो पैसे रखे थे, वे नहीं मिल पा रहे हैं। इस कारण से हजारों लोग देश भर में आत्महत्या कर चुके हैं। लेकिन इसके बाद भी आज तक सहारा समूह ने इनवेस्टरों को पैसा मुहैया नहीं कराया गया है। जबकि स्थिति यह है कि आज भी हमारी सरकार, सेबी, सुप्रीम कोर्ट और सहारा के मामले में फंसी हुई है। इस देश के जिन लोगों ने सहारा समूह में पैसा लगाया था, उस पैसे के अभाव में वे लोग बिना खाने के मर रहे हैं।

महोदय, इसलिए हम सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि देश की जो आम गरीब जनता है, उसका क्या गुनाह है? उसने तो अपना पैसा इसलिए इनवेस्ट किया था, कि यह सरकार की एजेंसी है और उसका पैसा नहीं डूबेगा, लेकिन आज उन्हें ऐसा लग रहा है कि हमारी सरकार उन इनवेस्टर्स को पैसे दिलवाने में अपने आप को असमर्थ साबित कर रही है, जिसके चलते आज स्थिति दयनीय हो चुकी है। हम सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि उन इनवेस्टर्स को, चूँकि जहां तक इनवेस्टर्स का सवाल है तो मुझे जानकारी है कि सबसे ज्यादा इनवेस्टर्स यू.पी. और बिहार के हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। यू.पी. के कम से कम 85 लाख लोगों ने 2,200 करोड़ रुपये इनवेस्ट किए थे। बिहार के 55 लाख लोगों ने 1,500 करोड़ रुपये इनवेस्ट किए थे। इनमें से कितने ही लोग पैसे के अभाव में, इलाज के अभाव में दम तोड़ चुके हैं। इसलिए हम सदन के माध्यम से सरकार से यह आग्रह करना चाहते हैं कि सारा काम छोड़कर उन इनवेस्टर्स को उनकी राशि दिलाने का कष्ट करें।? (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी **(**बहरामपुर**):** सर, माननीय सदस्य जो बोल रहे हैं, उस पर हम सभी को सहमत होना चाहिए।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप ऐसी अपील मत कीजिए। सभी माननीय सदस्यों का अपना-अपना विवेक है। आप अपनी स्लिप भेज दीजिए।

? (व्यवधान)